अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०१८-२० की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की नवीं बैठक का कार्यवृत

मंगलवार, २७ अक्टूबर २०२०; वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०१८-२० की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की नवीं बैठक २७ अक्टूबर २०२० को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गयी। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने किया।

बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:

१. श्री पवन कुमार गोयनका	२. डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	३. श्री अनिल कुमार जाजोदिया	४. श्री विवेक गुप्त
५. श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला	६. श्री दामोदर बिदावतका	७. श्री गोपाल अग्रवाल	८. श्री कैलाशपति तोदी
९. श्री आत्माराम सोन्थलिया	१०. श्री शिव कुमार लोहिया	११. श्री बसंत कुमार मित्तल	१२. श्री नंदकिशोर अग्रवाल
१३. श्री गोविंद अग्रवाल	१४. श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया	१५. डॉ. सुभाष अग्रवाल	१६. श्री श्याम सुंदर अग्रवाल
१७. श्री दिनेश जैन	१८. श्री बिनोद तोदी	१९. श्री पवन कुमार सुरेका	२०. श्री योगेश तुलस्यान
२१. श्री विजय कुमार अग्रवाल	२२. श्री राजकुमार केडिया	२३. श्री अशोक केडिया	२४. श्री पवन जालान
२५. श्री बी.डी. अग्रवाल	२६. श्री पवन पोद्दार	२७. श्री दिनेश अग्रवाल	

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

१. श्री संतोष सराफ			

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने सभी उपस्थितों का स्वागत करते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ अस्वस्थ होने की वजह से आज के बैठक में उपस्थित नहीं हो सकेंगे। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है और एक कठिन दौर से गुजर रहा है। दुविधा की बात है कि इसके सम्बंध में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। उद्योग-व्यापार और रोजगार की स्थिति पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मारवाड़ी सम्मेलन अपनी परम्परानुसार, समाज के संसाधनहीन लोगों की सहायता हेतु प्रत्येक स्तर पर कदम उठा रहा है। संकट की इस घड़ी में लोगों के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव भी आये हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन बदलावों को अपने दिनचर्या का अंग बनाये रखें।

श्री गोयनका ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के चेयरमैनशिप में गठित कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के तहत दो महत्वपूर्ण प्रकल्प हाथ में लिए गये हैं। इसके अन्तर्गत केन्द्रीय तथा प्रादेशिक शाखाओं के माध्यम से पूरे देश में मास्क वितरण का कार्य चल रहा है। अभी तक लगभग एक लाख मास्क का वितरण किया जा चुका है। इसके अलावा 'मारवाड़ी सम्मेलन भोजनालय' कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत कोलकाता के अलग-अलग स्थानों पर रोजाना ३०० संसाधनहीन गरीब लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अन्य स्थानों पर भी प्रारम्भ करने की योजना है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया ने कोरोनाकाल में सम्मेलन के सेवाकार्यों को संतोषजनक बताते हुए कहा कि समाज के वंचित तबकों की चिकित्सा सहायता हेतु एक प्रकल्प की स्थापना हमारी प्राथमिकताओं में है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला ने समिति की पिछली बैठक (०४ जुलाई २०२०) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने 'महामंत्री की रपट' और

वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गये निर्णयों पर 'कार्यवाही की रपट' भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र की मुख्य विशेषता रही समाजसेवा जिसे हम भविष्य में भी जारी रखेंगे। श्री झुनझुनवाला ने बताया कि सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा आगामी ११ नवम्बर २०२० को जूम एप्प के माध्यम से आयोजित करने की योजना है, समिति ने इसे स्वीकृति दी।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी ने लेखा परीक्षक द्वारा जाँचे गये वित्तीय वर्ष २०१९-२० के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पास हुआ। श्री तोदी ने सम्मेलन की आर्थिक स्थिति, कोष, समाज विकास के खर्च एवं विज्ञापन, अनुदान-प्राप्ति आदि के विषय में संक्षेप में बताया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार जाजोदिया ने कहा कि पिछले ६ महीने का दौर सीखने का रहा। हमें भी देखना होगा कि हमने क्या सीखा। संकट के समय मंदिरों में भीड़ और सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। हम ऐसे कार्यक्रम तैयार करें जिससे समाज के हर वर्ग, हर घर तक पहुँच सकें।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्त ने कहा कि सम्मेलन का हर सत्र उपलब्धियों भरा रहा है। हर सत्र में पिछले सत्र के मुकाबले बढ़-चढ़कर काम हुआ है। मौजूदा सत्र में भी सबने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया है। उन्होंने सम्मेलन के सेवाकार्यों के प्रचार-प्रसार हेतु एक टीम गठित करने का विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल तथा विभिन्न समाचार चैनलों से सम्पर्क स्थापित कर इस कार्य को आगे बढ़ाया जा सकता है।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल ने सबके सहयोग हेतु अपना आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप सबके सहयोग से सम्मेलन ने मौजूदा सत्र में संगठन-विस्तार में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया ने अधिकाधिक समाजबंधुओं से विज्ञापनरूपी सहयोग एवं वित्तीय सहयोग की बात कही। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही सम्मेलन समाजहित में अपने कत्तव्यों का निर्वहन कर रहा है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने कोरोनाकाल में सम्मेलन के सेवाकार्यों को उत्कृष्ट बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्दजी ने कहा था कि भूखे को भगवान की बात बताने की जगह उसको रोटी देने की आवश्यकता है।

दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-प्रभारी श्री बसंत मित्तल ने कहा कि संगठन-विस्तार में सम्मेलन के पास अपार सम्भावनाएँ हैं। दक्षिण भारत के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में सम्मेलन के प्रति उत्साह है और वो सम्मेलन से जुड़ने को उत्सुक हैं।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कोरोना राहत सेवाकार्य समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों को प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में, संगठन-विस्तार में केन्द्रिय सम्मेलन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ जिसके फलस्वरूप पश्चिम बंग सम्मेलन ने प्रदेश में अपनी शाखाओं के गठन एवं संगठन-विस्तार में उल्लेखनीय सफलता पाई।

उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल ने प्रदेश में चल रहे सेवाकार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कोरोनाकाल में, संक्रमितों की उपचार में सहायता हेतु ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर मास्क का वितरण भी किया गया है।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन, प्रादेशिक अध्यक्षों सर्वश्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली), डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक), श्याम सुन्दर अग्रवाल (केरल) के अलावा सर्वश्री योगेश तुलस्यान, विजय कुमार अग्रवाल एवं राज कुमार केडिया ने भी अपने संक्षिप्त वक्तव्य रखे।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। धन्यवाद-ज्ञापन के पश्चात बैठक सम्पन्न हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष *राष्ट्रीय महामंत्री*